विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 28 मार्च से 3 अप्रैल 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 40 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का ज़ीवन सिद्धांत

ज़ीवन में जब हम समर्पित होकर कोई भी काम करते हैं और इसमें अधिकाधिक मेहनत के माध्यम से विशेषज्ञता हासिल करने का प्रयास करते हैं तो वह विशेषता ही हमारे व्यक्तित्व को निखारती है. जीवन में जो लोग दुविधा वाली मनस्थिति में रहते हैं, वे लायक रहकर भी पिछड़ जाते हैं. आपका मन मजबूत होना चाहिए, फैसला लिया है तो उस पर अमल करने के बाद निश्चित ही स्थितियां पक्ष में होती हैं. इसलिए आगे बढ़ने का सदैव प्रयास करें.

प्रति वोटर आता 1240 रूपए खर्च

मतदान करना चाहिए, प्रति लोकसभा सीट खर्च होगा 220 करोड़ रूपए,मतदान करें

विदर्भ स्वाभिमान,28 मार्च

नई दिल्ली- देश में लोकसभा चुनाव की बयार बह रही है. लेकिन मतदान के महत्व को आज भी हर भारतीय नहीं समझ सकें हैं. यही कारण है कि लोकतंत्र में आम और खास सभी को एक लाइन में करने का काम महान संविधान ने किया है लेकिन आज भी मतदान का प्रतिशत पढ़े-लिखे क्षेत्रों में कम देखकर हैरत होती है.इस बार के चुनाव में प्रति लोकसभा सीट 220 करोड़ रूपए का खर्च आएगा. देश में 97 करोड़ मतदाता हैं. ऐसे में प्रति वोटर 1240 रूपए का खर्च पांच साल में होने वाले लोकसभा के चुनाव में आता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि सदैव सरकार को कोसने वाले और उसकी कमियां निकालने वाले मतदाता ज़ब चुनाव की बारी आती है तो अच्छे लोगों की बजाय स्वार्थ को अत्याधिक महत्व देते हैं. इतना ही नहीं तो प्रशासन द्वारा चुनाव को लेकर मतदान जागृति पर करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद भी मतदान का प्रतिशत कम होने से कई बार गलत लोगों का चयन होता है. इसके बाद पांच साल तक कोसते रहते हैं.

लोकतंत्र की मजबूती में हर वोट की महत्वपूर्ण कीमत होती है. जिले में शतप्रतिशत मतदान के लिए जिला प्रशासन प्रयासरत है. सभी मतदाताओं को भी अपने वोट के महत्व को समझते हुए इस बार रिकार्ड मतदान के माध्यम से जिले को गौरवान्वित करने का प्रयास करना चाहिए.प्रशासन लगातार कोशिश कर रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान जागरण अभियान

अमरावती जिलाधिकारी तथा जिला चुनाव अधिकारी सौरभ कटियार शतप्रतिशत वोटिंग के लिए प्रयासरत हैं. उनके मुताबिक जितना अधिक मतदान होता है, उतना अच्छा होता है. लोकतंत्र की मजबूती का जहां यह सबूत होता है, वहीं अच्छे लोगों के चुनने का माध्यम बनता है. इसके लिए प्रशासन द्वारा हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है. जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने मतदाताओं से मतदान के महत्व को समझते हुए जिले में शतप्रतिशत मतदान का आग्रह किया.

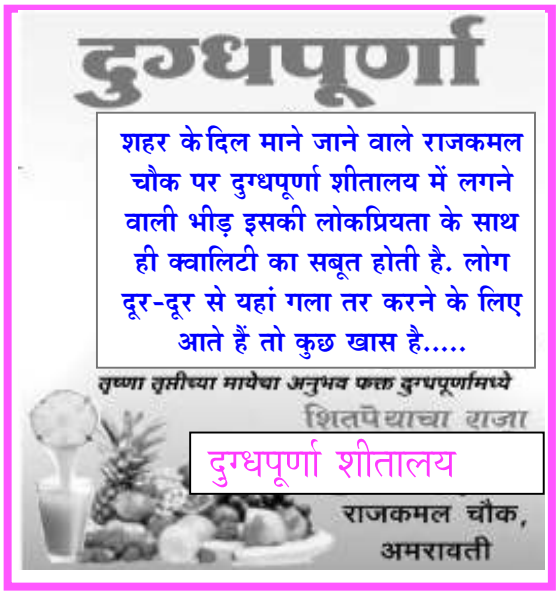

संपादकीय

अमरावती रचे मतदान प्रतिशत रिकार्ड

लोकसभा के चुनाव की घोषणा के साथ ही चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है. मतदान यह हर भारतीय मतदाता को मिला ब्रह्मास्त्र है, इसका सही उपयोग करने पर सही सरकार बनती है और सही सरकार जनता की आशा आकांक्षाओं को पूरा करती है. आजादी के बाद से आज भी देश में अगर कई समस्याएं हैं तो निश्चित तौर पर जितनी सरकारें जिम्मेदार हैं, उससे कई गुना अधिक मतदाता भी जिम्मेदार हैं. सरकार को कोसने का काम हम करते हैं लेकिन मतदान के माध्यम से अच्छे राष्ट्रभक्त, विकास का विजन रखने वाले, संवेदनशील लोगों को चुनकर देने की हमारी परीक्षा में हम फेल हो जाते हैं. समय की दरकार है कि अधिकाधिक मतदान के माध्यम से हम लोकतंत्र की मजबूती के साथ ही अच्छे लोगों को संसद में भेंजे, जो हमारे दुःख दर्द को समझें और हमें सहयोग कर सकें. आज राजनीतिक स्थिति कैसी है, यह सभी जानते हैं. अच्छे लोगों को जहां भी मौका मिलता है, वे अच्छा करते हैं. लेकिन दुर्भाग्यवश कई बार अच्छे लोगों को मौका नहीं मिलता है. यह मौका देने का अधिकार जनता को मतदान के रूप में मिला है लेकिन दुर्भाग्यवश मतदान के प्रतिशत को देखते हुए चिंता होती है. अमरावती जिले में इस बार लोकसभा चुनाव में रिकार्ड मतदान के लिए जिलाधिकारी तथा जिला चुनाव अधिकारी सौरभ कटियार प्रयासरत हैं. सभी का कर्तव्य बनता है कि शतप्रतिशत मतदान कारिकार्ड अमरावती जिले के नाम दर्ज कराने में योगदान दें.

लोकसभा हों या फिर विधानसभा, यह पांच साल के बाद आते हैं इसलिए चुनावों में वोट डालना बहुत जरूरी होता है. लोकतंत्र में वोट डालना वोटरों का कर्तव्य और जिम्मेदारी बनती है. इसलिए अमरावती सहित राज्य में होने वाले लोकसभा चुनाव में प्रत्येक मतदाता उस अधिकार का प्रयोग करें जोकि समाज, राज्य और देश की भलाई के लिए बहुत जरूरी है. जितना ज्यादा मतदान होगा, हमारा लोकतंत्र भी उतना ही ज्यादा मजबूत होगा. क्योंकि भारत एक लोकतांत्रिक देश है. जहां पर चाहे केंद्र की सरकार और चाहे किसी राज्य की, उसे चुनने का माध्यम एक वोट ही है. इसलिए इस देश में वोट की महत्ता बहुत ज्यादा है. इस महत्ता को ध्यान में रखते हुए ही अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए. चुनाव आयोग के निर्देश पर अधिक से अधिक मतदान करवाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से तमाम पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं.वोट का इस्तेमाल बिना की किसी भय और लालच से करना चाहिए. किसी के पीछे लगकर नहीं अपनी सूझ बूझ से अच्छे प्रत्याशी को वोट करनी चाहिए.ज़ब अच्छे लोग राजनीति में जाएंगे तो निश्चित तौर पर राष्ट्र का भला होगा. साथ ही जनता के अरमानों पर काम करने वाली सरकार बनने के बाद इसका लाभ जनता को भी होगा. मतदान का संकल्प हर मतदाता को लेना चाहिए और इसे पूरा करना चाहिए.

सही लोगों का चयन बदलता है भाग्य

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

देश में संसद का चुनाव हो रहा है. केन्द्र सरकार बनेगी और यह हर भारतीयों के भाग्य का फैसला करेगी. लेकिन मतदान को लेकर जिस तरह की उदासीनता हमारे यहां दिखाई देती है, वह चिंता की बात है. अब पछताए का होत है जब चिड़िया चुग गई खेत. मतदान के समय हम गंभीरता से नहीं लेते हैं. लेकिन इसके बाद सदैव कोसते हैं. विदर्भ स्वाभिमान का आग्रह है कि इस बार संसद के चुनाव में हर भारतीय मतदाता को अपना वोट डालते हुए सही सरकार का चयन करने के साथ ही अपना प्रतिनिधि बेहतरीन हो, गर्व से रहित हो, लोगों की भावनाएं समझने के साथ ही सदैव संपर्क वाला रहना चाहिए. भारत में मतदान का एक बड़ा महत्व है. इसी महत्व के मद्देनजर भारतीय चुनाव आयोग की तरफ से सौ फीसद मतदान के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं. जहां लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है, वहीं मतदान केंद्र पर भी उन्हें किसी तरह की कोई परेशानी न आए, इसके लिए प्रबंध किए जा रहे हैं. 80 साल से

अधिक आयु के बुजुर्गों, दिव्यांग व्यक्तियों और कोरोना से पीड़ित मरीजों के लिए उनके घर पर बैलेट पेपर से मतदान के प्रबंध किए गए हैं. इसलिए हरेक मतदाता का यह फर्ज बनता है कि वह लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान में हर हाल में भाग ले. लेकिन पूरी तरह से जागरूक होकर अच्छे प्रत्याशी को ही मतदान करें, जोकि पांच साल तक अपने हलके के विकास के अलावा लोगों की सेवा कर सके. ऐसे प्रत्याशी को कतई वोट न करें, जिसके लिए बाद में पछताना पड़े.

मतदान करना बहुत ही जरूरी है. मतदान से ही हम अपने इलाके के लिए अच्छा प्रतिनिधि चुनते हैं. मतदान से ही राज्य में सरकार का गठन होता है. हमारे देश में अपना प्रतिनिधि और अपनी मनचाही सरकार चुनने का यही एक तरीका है. यही हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती है. इसलिए प्रत्येक मतदाता को मतदान में जरूर भाग लेना चाहिए. मतदान करने से बिलकुल गुरेज नहीं करना चाहिए. कई लोग यह सोचकर मतदान करने ही नहीं जाते कि हमें चुनाव से क्या लेना है. यह गलत सोच है. अगर हम मतदान करके अपने इलाके का अच्छा प्रतिनिध चुनेंगे तो वह हलके की समस्याओं को दूर करेगा. लोगों के सुख दुख में शामिल होगा. लेकिन मतदान के लिए सही प्रत्याशी को ही वोट करें, जोकि वास्तव में अपने इलाके और लोगों के प्रति गंभीर हो.

परिवार को सही मायने में समझें

विदर्भ स्वाभिमान जागरण अभियान

जिंदगी वर्तमान में जितनी असुरक्षित हो गई है, तनावपूर्ण हो गई है, इतनी शायद ही कभी थी. लेकिन दुर्भाग्य की बात इस बात पर चिंतन नहीं हो पा रहा है कि आज सुविधाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ी हैं, जीवन काफी आरामदायी होने के बाद यह स्थिति क्यों पैदा हुई है, हर व्यक्ति अपने में परेशान है. कोई अच्छा है तो परिवार अच्छानहीं है,किसी का परिवार अच्छा है तो स्वार्थ और अपनेपन के कारण परिवार ही सिरदर्द का कारण बन रहा है. आदमी दिन भर तनाव वाली सोच के कारण परेशान है. ऐसे में तनाव के कारण हाई बीपी, शूगर के साथ कई बीमारियों की चपेट में आ गया है. ऐसे में बीमारियों ने शरीर पर कब्जा किया है. 26 साल के युवक का हार्ट फेल होना निश्चित ही चिंतनीय बात है. बच्चों का शिक्षा नीति ने बचपन छीन लिया है. हर व्यक्ति केवल आगे भागने की सोचता है, वह यह भूल जाता है कि खुशी का जीवन जीकर जब वह स्वस्थ रहेगा, तो भी अच्छा सोचेगा और खुश रहेगा और परिवार को भी खुशी बांटेगा. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज की स्थिति में इसके उल्टी वाली स्थिति है. यहां हर व्यक्ति परेशान है. किसी के चेहरे पर रौनक नहीं दिखाई देती है. इसका कारण वह खुद है. कोई घमंड के कारण लोगों से टूट रहा है तो कोई स्वयं को अत्याधिक श्रेष्ठ और बाकी को बेवकूफ समझने के कारण परेशान है. कुल मिलाकर परिवार का प्रेम तो स्वार्थपूर्ण हो गया है. जरूरत पड़ने पर आप जिनके लिए बहुत अच्छे होते हैं, गरज पूरा होने के बाद वही तुम्हे छोड़ते हैं. ऐसे में तनाव बढ़ना स्वाभाविक रहता है. परिवार की संस्कृति ही भारतीय संस्कृति की मूलाधार थी. आज बच्चे बिगड़ रहे हैं, युवाओं में व्यसन बढ़ रहा है, कोई किसकी सुनने की मानसिकता में नहीं है. लेकिन दुर्भाग्यवश इसकी चिंता किसी को नहीं है.

पहले कई रिश्ते परिवार संवारने का माध्यम होते थे. लेकिन आज हम दो हमारे दो वाली कल्पना ने जन्मदाता माता-पिता की जगह भी दिल से छीन ली है. ऐसे में यह तनाव का कारण बन रहा है. पहले लोग अपना दुःख-दर्द बांट लेते थे लेकिन आज संकोच करते हैं कि अपने ही बेटे-बहू और अपनों के दर्द को किससे कहें, इससे दिल पर लगातार बोझ बढ़ता है और बढ़ा हुआ बोझ हार्ट अटैक अथवा विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है. पहले कमाई कम थी लेकिन अपनापन, खुशियां बांटने का संतोष अधिक था. लेकिन आज स्वार्थ ने रिश्तों को खत्म कर दिया है. बच्चों का बचपन इस कदर शिक्षा ने छीन लिया है कि बचपन से ही माता-पिता के प्रति उनकी आत्मीयता खत्म हो जाती है और ऐसे ही बच्चे जब माता-पिता को बुढ़ापे में वृद्धाश्रम ले जाते हैं तो उन्हें दुख होता है लेकिन वे बच्चे को स्पर्धा में लाकर डाक्टर, इंजीनियर, बड़ा आदमी तो बनाने के लिए काम करते रहे लेकिन जीवन में कभी बच्चे को अच्छा संवेदनशील इंसान बनाने के लिए काम नहीं किया. बुढ़ापे में माता-पिता अकेले बड़े बंगले में रहते हैं. बेटा-बहू रहकर भी नहीं जैसे हैं. ऐसे में परिवार तथा रिश्तों की संस्कृति को मजबूत करना होगा.

वर्तमान में आधी से अधिक बीमारियों का कारण पारिवारिक तनाव होता जा रहा है. स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता आ रही है लेकिन इससे भी अधिक लोगों में जागरूकता के साथ समझदारी के अभाव में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो रही है. बड़ों के साथ ही बच्चों में डिप्रेशन की यह समस्या भविष्य में खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है. इन्सानी जीवन में रिश्ते ही खुशियं का सदैव माध्यम होते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

संघर्ष से सफलता का किया स्वर्णिम सफर...

डॉ.संतोष चिंचोळकर ने बनाया स्वयं की मेहनत से मुकाम, प्रेरणादाई व्यक्तित्व, महाराष्ट्र में है उनका पहला कॉलेज

विदर्भ स्वाभिमान,27 मार्च

अमरावती- ज़ीवन में संघर्ष ही सफलता का पहला सूत्र होता है, जिसने इस बात को जान लिया, जीवन में वह स्थितियां कैसी भी हों , उन्हें अपने पक्ष में करने में सफल होता है. कुछ ऐसे ही व्यक्तित्व हैं होमियोपैथी के सुख्यात डॉ. संतोष वासुदेवराव चिंचोळकर. बचपन की गरीबी और संघर्षों ने जहां उन्हें पग-पग पर सफलता के लिए मेहनत करने की प्रेरणा दी, वहीं दूसरी ओर माता-पिता का आशिर्वाद, विपरीत स्थिति को भी पक्ष में करने की जिद ने उन्हें आज कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचाया है. संघर्ष से लेकर वाशिम में होमियोपैथी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के रूप में काम करने तक का उनका जीवन सफर किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है.

संतोष चिंचोळकर का जन्म अकोट तहसील में 1 जनवरी 1973 को हुआ. चौथी तक की शिक्षा अकोला में होने के बाद वे अमरावती आ गए. उनके मुताबिक जन्मभूमि भले ही अकोट हो लेकिन पिता वासुदेवराव चिंचोळकर भूमि अभिलेख में सेवारत रहने से अमरावती आ गए और गरीबी तथा संघर्ष से लेकर कामयाबी के दिन की कर्मभूमि अमरावती हो गई. 10 वीं तक ज्ञानमाता हाईस्कूल और 11,12वीं की शिक्षा विद्याभारती कॉलेज में पूरी की. बचपन से ही वे मेधावी थे. एमबीबीएस में प्रवेश 1 मार्क से चूक गया. पिता की इच्छा डाक्टर बनाने की रहने के कारण डीएचएमएस में प्रवेश किया. इसके लिए 15000 हजार में पिता ने 10 हजार दिए, बेटे के लिए 5000 रूपए उन्हों ने 20 प्रतिशत ब्याज से लेना उनके जीवन का पहला खतरनाक अनुभव था.आर्थिक हालत कठिन रहने से वरिष्ठ छात्रों से पुरानी किताबें लेकर शिक्षा पूरी की.

महाविद्यालयीन जीवन से ही नेतृत्व गुण विकसित होते गए. प्रथम वर्ष के छात्र रहते समय सीआर तथा बाद में विद्यापीठ प्रतिनिधि के रूप में लगातार छाए रहे. हिन्दुत्व को लेकर पहले से ही गर्व था और राष्ट्र प्रेम की भावना कूट-कूटकर भरी थी. आर्थिक मजबूरी के कारण महाविद्यालयीन शिक्षा लेते समय ही निजी अस्पताल में नौकरी करना शुरू किया. पारश्री अस्पताल में डॉ. श्रीगोपाल राठी के मार्गदर्शन में तीन साल तक सेवा दी. पश्चात डॉ. सुनील राठी के अस्पताल में सेवा के साथ पढ़ाई पूरी की. होमियोपैथी के डॉ. सारडा के मार्गदर्शन में काम किया. इसके बाद आर्थिक मजबूती के लिए दोपहिया पर दवाई के बाक्स के साथ घूम-घूमकर उपचार करते थे. वे बताते हैं कि उनके मामा के पिता को एक्झीमा नामक बीमारी हुई थी. उन्होंने

काफी इलाज किया लेकिन सफल नहीं हुए. इस चुनौती को उन्होंने स्वीकार किया और उपचार शुरू कर उन्हें इस बीमारी से मुक्त कराने के बाद पूरे क्षेत्र में सफल डाक्टर के रूप में स्थापित होने में मदद मिली.

मां का अपार प्रेम

माता-पिता तथा परिवार के साथ जीवन धीरे-धीरे पटरी पर आने लगा. घर में मां लाइलाज बीमारी से पीड़ित थी. इसके कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगी.मां का अपनी क्षमता के मुताबिक उपचार शुरू किया और उन्हें लाभ भी हुआ. इस दौरान मां का आशिर्वाद बढ़ा और गहराई के कारण दोनों को इसकी खुशी हो रही थी.वे सीसीआरएच कोर्स करना चाहते थे, इसकी उस समय फीस 50 हजार रूपए के करीब थी. उन्हों ने अर्निंग करते हुए लर्निंग की प्लानिंग की थी लेकिन सुबह 10 से 7 बजे तक कॉलेज रहने से यह अरमान प्रभावित हुआ. उन्होंने कल्याण तथा दादर में सुश्रुता हास्पिटल में नौकरी की. लेकिन मां की तबियत ठीक नहीं रहने के कारण वापस अमरावती आना पड़ा. वित्तीय स्थितियों से जूझते हुए 1 जनवरी 1999 को कृष्णार्पण कॉलोनी में स्वयं का अस्पताल शुरू किया. 30 हजार रूपए की डिपाजिट में से 15 हजार रूपए अदा किए. फर्नीचर के लिए उनके पिताजी के मित्र घनश्यामदास होलानी की महत्वपूर्ण मदद मिली. उनके वाडी के कटे हुए पेड़ की कटाई कर उससे बनाया गया फर्नीचर आज भी उनके अस्पताल में है.उनके मार्गदर्शक डॉ. पद्माकर सोमवंशी के हाथों इसका उद्घाटन हुआ. चूंकि मरीजों का विश्वास संपर्क जीत चुके थे, इसलिए अस्पताल तेजी से चल निकला.बीच के दौर में तखतमल मेडिकल कॉलेज में बतौर प्राध्यापक संघर्ष के साथ उनकी एंट्री हुई लेकिन यहां भी उन्हें कई परीक्षाओं से गुजरना पड़ा. लेकिन वे बताते हैं कि कभी-कभी तकलीफ ही जीवन में अनुभव का माध्यम बनता है. इस माध्यम से जहां लोगों की मानसिकता का दर्शन हुआ, वहीं इस संघर्ष ने उन्हें अनुभव के साथ सफलता की राह दिखाई. अस्पताल में 700 रूपए की सेकंड हैंड चेयर लेने को अनुभव मानते हैं.

जहां चाह, वहीं राह

अपने अनुभवों पर वे बताते हैं कि जिस तरह सोना तपने के बाद निखरता है, इसी तरह उन्हें जिन लोगों ने तकलीफ दिया और आज भी देने का प्रयास करते हैं, उन्हें वे धन्यवाद देते हैं. साथ ही कहते हैं कि यह उनके अनुभव में महत्वपूर्ण साबित हुआ. 2009 में होमियोपैथी में एमडी की डिग्री हासिल करने के बाद गुजरात में भी बतौर प्राचार्य सेवाएं दी. इस क्षेत्र के सर्वोच्च तक पहुंचने के जुनून के कारण 2024 में उन्होंने पीएचडी की डिग्री हासिल की.अमरावती जिले के होमियोपैथी के पहले पीएचडी के साथही भारत में अपने विषय में पीएचड़ी करने वाले मात्र तीन लोगों में उनका नाम निश्चित ही अमरावती के लिए किसी गौरव से कम नहीं है. 2018 में उन्हों ने युवाओं को इस क्षेत्र से जोड़ने तथा अवसर उपलब्ध कराने के लिए महाराष्ट्र में पहला सिंपथी इन्स्टीट्यूट ऑफ होमियोपैथिक फार्मासी एन्ड पैरामेडिकल सायंसेस शुरू किया. यह संबंधित बोर्ड और यूजीसी युनीवर्सिटी ऑफ होमियोपैथिक सिस्टिम ऑफ मेडीसीन द्वारा प्रमाणित है.

राज्य में अपना स्वयं का नाम रच दिया. आज इस महाविद्यालय में डिप्लोमा इन होमियोपैथिक फार्मासी का दो साल का कोर्स पढ़ाया जाता है.महाविद्यालय में चार कोर्स चलाए जाते हैं.भारत में अपने विषय में पीएचडी करने वाले तीसरे डॉ.संतोष चिंचोळकर बताते हैं कि संघर्षों ने उन्हें सफलता दी.अपने अनुभव को प्रेरणा मानते हुए वे युवाओं को संदेश देते हैं कि स्थितियां कैसी भी हैं, अगर जीतने का जुनून आपमें पैदा करते हो तो दुनिया की कोई भी ताकत आपको हरा नहीं सकती है. क्यों कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार.....

सदस्यता पंजीयन शुरू

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189
9518528233

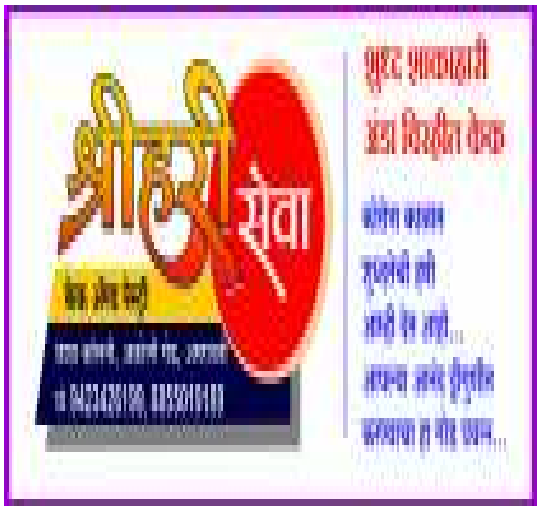

अच्छा सोचने वाले का कभी बुरा नहीं होता है-मुख्तार अहमद

अमरावती- हर धर्म में नेकी और अच्छाई को सबसे अच्छा कर्म माना जाता है. जो व्यक्ति जीवन में सभी का अच्छा सोचता है, ऊपरवाला उसका कभी बुरा नहीं होने देता है. मानवता की अलख जगाने से ही धरती पर खुशहाली आएगी. इस आशय का मत संपादक तथा अमरावती हलचल चैनल के प्रमुख मुख्तार अहमद ने किया है. बडनेरा निवासी तथा पत्रकारिता में भी सर्वधर्म समभाव को सदैव महत्व देने वाले मुख्तार भाई ने पवित्र रमजान के महीने पर सभी को मुबारकबाद दी. उनके मुताबिक अच्छाई करने का यथासंभव प्रयास करना चाहिए.

ज़ीवन में मेहनत, समर्पण को सफलता की कुंजी मानने वाले जीवन में कभी पीछे नहीं होते हैं. वे अपनी मेहनत और लगन के बलबूते सदैव आगे बढ़ते जाते हैं. इसलिए सभी को अपने क्षेत्र में मेहनत के बलबूते कामयाबी हासिल करने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में मेहनत, लगन और काम के प्रति समर्पण के साथ ही मीठी जुबान से ही कामयाबी मिलती है. इसका उदाहरण बचपन से ही संघर्ष से सदैव दो-दो हाथ करने वाले मुख्तार भाई हैं. उनके मुताबिक संघर्ष से प्राप्त कामयाबी का आनंद ही अलग होता है. कई बार अपनों द्वारा ही परेशानी के बाद भी कभी बुरा नहीं मानने का बड़ा दिल उसके पास ही हैं. यारों के यार मुख्तार अहमद पत्रकारिता को जहां गौरवान्वित करने का काम करते हैं, वहीं गलत को गलत बोलने में कभी नहीं हिचकते हैं. सर्वधर्म समभाव का सूत्र उन्होंने जीवन का सूत्र बना लिया है. उनके मित्र हर पार्टी में हैं. लेकिन वे कहते हैं कि मानवता की सेवा सबसे बड़ी सेवा होती है. इसलिए हर इंसान को जितना संभव हो, मानवता की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. आज युवा पीढ़ी अत्याधिक शार्प है लेकिन आत्मीयता और मेहनत से कन्नी काटने के कारण परेशान हैं. युवाओं में तेजी से व्यसन बढ़ रहा है. इससे युवाओं की ताकत का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है. राजेश ने काफी संघर्ष किया है. लेकिन मधुर स्वभाव, काम के प्रति समर्पण जैसी खूबियों के कारण आज वह सदैव व्यस्त रहते हैं.उनके मुताबिक जीवन मिला है तो सदैव किसी के काम आने का प्रयास करने से खुशियां दुगुनी होती हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

पार्वती नगर से लोणटेक मार्ग बना है खतरनाक

अमरावती -स्थानीय महात्मा फुले महाविद्यालय के सामने पार्वती नगर से लोणटेक के माध्यम से भातकुली जाने वाली सड़क तक का कच्चा रास्ता लोगों के लिए खतरनाक बन गया है. रास्ते की बद्हाली के कारण यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. इससे रेलवे गेटड से लेकर मुख्य मार्ग का रास्ता तत्काल सुधारने की मांग हो रही है.

जुड़वा शहर रचेगा शिव महापुराणकथा का इतिहास

प्रकाश जयस्वाल बंधुओं की पहल अन्य सुपुत्रों को देगी सदैव प्रेरणा, सर्वत्र सराहना

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

दयालुता होता है सबसे बड़ा गहना

श्री विठ्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जीवन ही नहीं तो कई पीढ़ियों तक संस्कार का महत्व रहता है.आज मानव तो तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन मानवता तेजी से घट रही है. यही कारण है कि सर्वत्र अनाचार वाली स्थिति है. ऐसे में यह जरूरी है कि हम सभी कुछ न कुछ ऐसा करें, जिससे जीवन में खुद भी खुश रहें और संपर्क में आने वाले लोगों को भी खुश रखने का प्रयास करें.ऐसे में कोशिश करना चाहिए कि हम सदैव नेकी के साथ जिएंगे. जुड़वा नगरी में होने वाली शिव महापुराण कथा निश्चित तौर पर जुड़वा नगरी की शान बढ़ाने के साथ ही जयस्वाल बंधुओं के जीवन में अहम काम करेगी.

संभागभर से शामिल होंगे शिवभक्त

अचलपुर- अमरावती में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के बाद परतवाडा में सुख्यात व्यवसायी जयस्वाल बंधुओं द्वारा 5 से 11 मई तक आयोजित शिव महापुराण कथा भी इतिहास रचने और यह कथा सुनने के लिए देशभर से भक्त उमड़ने की संभावना है. इसके मद्देनजर तैयारियों को व्यापक रूप दिया जा रहा है. इस फैसले के लिए जयस्वाल बंधुओं की जहां सराहना की जा रही है, वहीं समस्त जयस्वाल समाज भी इस पुण्य काम में हाथ बंटाने का प्रयास कर रहा है. जुड़वा शहर में भव्य पैमाने पर शिव महापुराण होने और इसमें संभाग से लाखों भक्त उमड़ने की संभावना जताई जा रही है. भवय कथा मंडप के साथ ही भक्तों के लिए यहां पर विभिन्न तैयारियां की जा रही हैं. कथा आयोजकों के साथ ही प्रशासन द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है. भक्तों के बैठने की व्यवस्था से लेकर गाड़ीयिों की पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियों पर विस्तार से विचार किया जा रहा है. इसके लिए समय-समय पर यहां पर बैठकें भी हो रही हैं. प्रहार प्रमुख विधायक बच्चू कडू स्वयं इस मामले में अत्याधिक सक्रिय दिखाई दे रहे हैं. उनके कारण कथा जहां सफल रहेगी, वहीं प्रशासन द्वारा भी हरसंभव सहयोग इस काम में किया जा रहा है. 29 समितियों का गठन करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियां भी तय की गई. सभी पर जिम्मेदारी तय करने के साथ ही आयोजन स्थल की तैयारियों में भी प्रयास किया जाने लगा है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए प्रकाश जयस्वाल ने बताया कि सभी के सहयोग से यह कथा अभूतपूर्व होने का उन्हें पूरा विश्वास है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. किरण एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

भगवान ऐसा परिवार दे

ज़ीवन की खुशियां तो खुशियां औरों को बांटने से बढ़ती है. ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि दयालुता की भावना को बढ़ावा देने के साथ ही हर जीव,जंतु और इन्सान के प्रति आत्मीयता और प्रेम का भाव रखें . यह भावना जब हम रखते हैं तो निश्चित तौर पर हमारी खुशियां बढ़ती हैं. खुशियों का संबंध स्वास्थ्य से होता है. आज खुशियों से जलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है. इसके कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और हमारी खुशियां भी हम नहीं मना पा रहे हैं. हमें यह सोचने की जरूरत है कि जब हम खुशी बांटेंगे तो वह बढ़कर मिलेगी.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

माता-पिता का प्यार कभी कम नहीं होता है. यही कारण है कि माता-पिता को दिल में रखने वाली औलाद कभी परेशान नहीं होती है. माता-पिता की खुशियों का सदैव ख्याल रखना चाहिए. तभी आप जीवन में कठिन रास्ता पर पार कर पाएंगे और जीतते जाएंगे.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

प्रभाग के साथ शहर विकास को समर्पित दम्पति

कहते हैं कि अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन जो लोग सदैव लोगों की सेवा में लगे रहते हैं, वे पद पर रहें या नहीं रहें, उनका सम्मान सदैव बरकरार रहता है. पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे और पूर्व नगर सेविका अंजली पांडे ऐसे ही सेवाभावी दम्पति हैं,जिनका काम ही भीड़ में उन्हें चेहरा प्रदान करता है.पिताजी भारतीय सेना में रहने से प्रमोद पांडे में जहां राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र प्रेम की भावना है, वहीं जनहित के कामों में बचपन से ही काफी दिलचस्पी रहने से सदैव आगे रहते हैं.

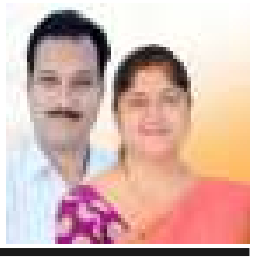

ज़नता का प्यार ही हमारी सबसे बड़ी दौलत

पत्रकारिता के माध्यम से जनसेवा की शुरूवात करने वाले प्रमोद पांडे का कहना है कि जनता का असीम प्यार ही उनकी सबसे बड़ी दौलत है. जितना संभव हो सके, जनहित में कुछ करने का प्रयास करते हैं. लोकतंत्र के लिए मतदान को ब्रह्मास्त्र बताते हुए वे कहते हैं कि हर वोट कीमती होता है. ऐसे में हर मतदाता को अपना मतदान करना चाहिए और राष्ट्रप्रेम, विकास का विजन रखने वाले उम्मीदवार को विजयी बनाते हुए लोकतंत्र की मजबूती और देश की खुशहाली में अपनी भूमिका निभानी चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान, 27 मार्च

अमरावती - ज़ीवन में राजनीतिक बहुत कम होते हैं जिन्हें पद से अधिक उनके कामों के लिए उन्हें जाना जाता है. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं पांडे दम्पति. राजनीति से अधिक सामाजिक कामों के लिए इस दम्पति को जानते हैं. प्रभाग के हर व्यक्ति के लिए परिवार के सदस्य के रूप में जहां उनका सम्मान है, वहीं दूसरी ओर दोनों स्वयं को सामाजिक कामों में व्यस्त रखते हैं. कहते हैं कि अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन जो लोग सदैव लोगों की सेवा में लगे रहते हैं, वे पद पर रहें या नहीं रहें, उनका सम्मान सदैव बरकरार रहता है. पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे और पूर्व नगर सेविका अंजली पांडे ऐसे ही सेवाभावी दम्पति हैं, जो राजनीति में रहकर भी 80 फीसदी समाज कार्य, शहर विकास की सोच और सामाजिक बुराई के लिए सदैव लड़ने का प्रयास करते हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण उन्हें न केवल प्रभाग में प्रेम मिलता है, बल्कि हर व्यक्ति के घर के सदस्य के जैसे सम्मान प्राप्त करते हैं. दोनों इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी दौलत बताते हैं. समस्या के निराकरण के लिए हर स्तर पर प्रयास के साथ ही मानवता की सेवा, सर्वधर्म समभाव के साथ लोगों की समस्याओं के लिए आंदोलन के साथ ही मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सदैव अग्रणी रहते हैं. इसकी सराहना पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख केसाथ ही प्रशासन द्वारा भी लगातार की गई है.

शहर ही नहीं तो राजनीति कम और समाजसेवा अधिक के सिद्धांत पर काम करने वाले आदर्श दम्पति के रूप में प्रमोद पांडे और सौ. अंजली पांडे को गिना जाता है. विकास का जहां उनका विजन है, वहीं चुनाव सुधार से लेकर जनता के दुख-दर्द के साथी के रूप में वे तथा उनका एमएच 27 एटीएस ग्रुप कार्यरत रहता है. यही कारण है कि दोनों किसी पद पर नहीं रहने के बाद भी आज प्रभाग ही नहीं तो शहर में उन्हें अपार सम्मान के साथ देखा जाता है.

मिलनसार स्वभाव, जनता के दर्द को सुनने और इसका निराकरण करने के लिए वे जहां तत्पर रहते हैं, वहीं दोनों का व्यापक संपर्क इतना है कि दोनों को प्रभाग के किसी नागरिक का नाम बताने के बाद वह कहां रहता है, क्या करता है, इसकी जानकारी भी पांडे दम्पति से मिल सकती है. उनकी इसी आत्मीयता के कारण नागरकिों का अपार प्यार उन्हें मिला है. पूर्व उपमहापौर रह चुके प्रमोद पांडे और सभापति रह चुकी तथा महिलाओं की समस्याओं से लेकर प्रभाग की समस्या के निराकरण तक सदैव तत्पर रहने वाले पांडे दम्पती सम्पन्नता में भी विनम्रता की जहां प्रतिमूर्ति हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों के प्यार और अपनेपन को अपनी सबसे बड़ी कमाई मानते हैं. उनके मुताबिक राजनीति के माध्यम से बेहतरीन सेवा होती है, मदद की व्यापकता होती है, इसलिए उन्हें राजनीति में सक्रिय रहना पड़ता है. लेकिन उनके मुताबिक लोगों का प्यार, अपनापन मिलने पर उन्हें अपार खुशी होती है. पद से जाने के बाद आमतौर पर किसी को कोई नहीं पूछता है. लेकिन पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे और जीवनसंगिनी सौ. अंजली पांडे इसके अपवाद हैं. गरीबों को भोजनदान हो, विजयादशमी पर साफ-सफाई का मामला हो, वे सदैव तत्पर रहते हैं.प्रभाग के हर घर के सदस्य के रूप में अगर किसी को सम्मान मिला है तो वह पांडे दम्पती हैं.विकास कामों के विजन के साथ जितने समर्पित हैं, जनता की सेवा के लिए तथा सामाजिक कामों के लिए सर्वधर्म समभाव के आधार पर समर्पित रहते हैं. वे कहते हैं कि जनता का प्यार और विश्वास ही उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है. इसे बढ़ाने पर उनका सदैव जोर रहता है. उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक - असंख्य हितचिंतक महिला मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती, अकोला, यवतमाल.

बहुगुणी, विद्वता की प्रतिमूर्ति हैं प्राचार्य डॉ. अंजली ठाकरे

4 अप्रैल को जन्मदिन पर विशेष

सेवा समर्पित हस्ती हैं मैडम, करती हैं सभी की मदद

क़ोई व्यक्ति एक साथ कई पदों को कैसे न्याय दे सकता है, इसका परिचायक डॉ. अंजली ठाकरे हैं. वे कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री के साथ ही सुख्यात विद्वान, राष्ट्रीय स्तर पर महिला क्रिकेट खेलने वाली महिला क्रिकेटर, शिवाजी शारीरिकि शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य के साथ जहां विभिन्न संगठनों की राष्ट्रीय पदाधिकारी हैं, वहीं उनकी सादगी और नेतृत्व गुण किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहता है. शहर ही नहीं बल्कि खेल के क्षेत्र में अमरावती शहर का नाम राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने वाली उच्च विद्याविभूषित डॉ. अंजली ठाकरे बहुगुणी व्यक्तित्व की धनी हैं. किसी एक क्षेत्र नहीं बल्कि कई क्षेत्रों में उनका शानदार योगदान है. उच्चशिक्षित प्राचार्य के साथ ही विद्वता में भी विनम्रता की धनी व्यक्ति हैं. यही कारण है कि उनके साथ बातचीत करने वाले को यह पता भी नहीं चलता है कि वे शहर ही नहीं तो सुख्यात तथा राज्यस्तर पर शारीरिक शिक्षा के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर स्थान रखने वाली श्री शिवाजी शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य हैं.

अपने 4 अप्रैल को जन्मदिन **विदर्भ स्वाभिमान** के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा संपर्क करने पर बातचीत करती हुए डॉ. अंजली ठाकरे मैडम ने कहा कि महिलाओं के लिए आज स्थितियां बेहतरीन हैं. उन्हें स्वयं की तरक्की करने का सबसे बेहतरीन मौका है. उनका मानना है कि विवाह की गड़बड़ी की बजाय छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त कर स्वयं के पैरों पर खड़ा होने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उनके मुताबिक बेटियों के लिए तरक्की के सभी मार्ग खुल गए हैं. वे जिस क्षेत्र में चाहें अपना भविष्य आजमा सकती हैं. युवाओं को वे व्यसन से दूर रहने की सीख देती हैं. साथ ही अमरावती शहर में मिले अपार प्रेम और सम्मान के लिए सभी के प्रति कृतज्ञता जताती हैं. उनकी सादगी और अपनापन किसी का भी दिल जीतने में कामयाब होता है. वे कहती हैं कि इन्सानियत से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है.

अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेटर के रूप में जहां खेल के क्षेत्र में शहर का नाम उज्वल किया, वहीं आदर्श प्राचार्य के रूप में भी बेहतरीन काम कर रही हैं. अंतर्राष्ट्रीय खेल विद्यापीठ की महाराष्ट्र की काउंसिल मेंबर के साथ ही उन्होंने खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए हैं. शिक्षा में जहां समर्पित प्राचार्य हैं, वहीं राजनीतिक क्षेत्र में भी आदर्श राजनीतिक के रूप में कांग्रेस की शहर अध्यक्षा के रूप में जनता की विभिन्न समस्याओं को मुखरता से उठा रही हैं. संत गाड़गेबाबा अमरावती विद्यापीठ की अमरावती क्रिकेट चयन समिति की भी प्रमुख के साथ ही सहकारिता क्षेत्र की सुख्यात डॉ. पंजाबराव देशमुख अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक की संचालक के रूप में भी बेहतरीन तरीके से काम कर रही हैं. बहुगुणी व्यक्तित्व होने के बाद भी उनकी सादगी और बातचीत का अंदाज किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहता है. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट में कई सम्मान प्राप्त करने वाली प्राचार्य डॉ. अंजली ठाकरे की विद्वता में भी विनम्रता किसी को भी प्रभावित करने वाली है. वे कहती हैं कि जीवन में जितना संभव हो सके, अच्छा सोचें और अच्छा करें, आपका कभी बुरा नहीं होगा. जन्मदिन पर उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

प्रत्याशियों को प्रचार के लिए मिलें गे 16 दिन, 18 लाख तक पहुंचने की चुनौती

अमरावती- लोकसभा चुनाव में खड़े प्रत्याशियों के लिए कठिन चुनौती होगी. प्रचार के लिए उन्हें सोलह दिन मिलने वाले हैं. इस दौरान उन्हें जिले के 18 लाख से अधिक मतदाताओं तक संपर्क किसी चुनौती से कम नहीं होगी. लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है. वहीं राजनीतिक माहौल भी गरमाने लगा है. होली के बाद लोकसभा के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 28 मार्च से शुरू होगी और 8 अप्रैल को नामांकन वापसी और उसी दिन उम्मीदवारों को चुनावी चिन्ह का वितरण किया जाएगा .चुनाव चिन्ह का वितरण किया जाएगा .चुनाव चिन्ह का वितरण किए जाने के बाद उम्मीदवारों को सही प्रचार शुरू हो जाता है और 26 अप्रैल को मतदान के 48 घंटे पहले यानी 24 अप्रैल की शाम 6 बजे अमरावती लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनावी प्रचार की तोपें थम जाएंगी . इस तरह अमरावती लोकसभा के महासंग्राम में उतरे उम्मीदवारों को प्रचार के लिए केवल 16 दिन का समय मिल पाएगा . 9 तहसीलें 700 से अधिक गांव तेज धूप में सभी 6 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 18 लाख से अधिक मतदाताओं तक अपना चुनाव चिन्ह पहुंचाने उम्मीदवारों के साथ ही पार्टीजनों और कार्यकर्ताओं को कड़ी कसरत करनी पड़ेगी . जिससे निर्दलीय लड़ने वालों के लिए अंगूर खट्टे वाली बात चरितार्थ होगी . लंबे चौड़े क्षेत्रफल वाले अमरावती संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 9 तहसीलों के 700 से अधिक गांव आते है.जहां डोर टू डोर मतदाताओं तक केवल 16 दिन में पहुंच पाना मुश्किल हैं. राष्ट्रीय दलों के लिए भले ही प्रचार में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन कांग्रेस जहां 28 वर्षों बाद अमरावती सीट से किस्मत आजमाने जा रही है. वहीं भाजपा पड़ली बार अमरावती सीट से मैदान में उतर रही है.

ख़ुशियों का पिटारा,लाफिंग क्लब हमारा

विदर्भ स्वाभिमान, 27 मार्च

अमरावती -ज़ीवन में खुशियां हासिल करने के लिए लोग लाखों रूपए खर्च करते हैं. लेकिन असली खुशी नहीं मिलती है. लेकिन शारदा नगर के बगीचे से जुड़े लाफिंग क्लब का हर सदस्य भाग्यशाली है. यहां होली तथा रंगपंचमी का पर्व सभी ने अत्यंत उत्साह के साथ मनाया. इस क्लब में शहर के जाने-माने लोग हैं, जो व्यस्ततम लोगों में से एक हैं. लेकिन जिस तरह से वे एक-दूसरे के सुख-दुख के साथी बने हैं और जन्मदिन हो, शादी की सालगिरह हो, हर मामले में सदैव खुशी बांटने का काम करते हैं, वह निश्चित ही सराहनीय है. खुशियों को बांटने के साथ ही जन्मदिन की सामुहिक कार्यक्रम जिस तरह से मनाते हैं, वह अपने आप में अलग होती है.

राष्ट्रधर्म के साथ ही स्वयं के स्वास्थ्य को लेकर जहां वे खुश हैं, वहीं उम्र के जिस पड़ाव पर लोगों में निराशा घर करती है, उम्र के उस दहलीज पर यहां सभी की खुशियां, हंसी ठिठोली अन्य बुजुर्गों को भी प्रेरित करती है. जन्मदिन के साथ ही योग दिन और सभी त्यौहार यहां सामुहिक रूप से मनाया जाता है. होली के पर्व के दिन यहां सभी में अपार उत्साह वाली स्थिति थी. सभी के मुताबिक खुशियां बांटने से बढ़ती हैं. वहीं हर सदस्य के जन्मदिन से लेकर यहां सुबह 6 बजे से लेकर 8 बजे तक योगासन, प्राणायाम, कसरत, ट्रैक पर पैदल चलने के साथ ही सभी तरह की प्रक्रिया पूरी की जाती है. सोमवार को शारदा नगर लॉफिंग क्लब द्वारा रंगपंचमी मनाई गई.

शारदा नगर, देवरणकर नगर के सभी ज्येष्ठ नागरिक इसमें सहभागी हुए. सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर व्यायाम के बाद व्यायाम, झुंबा डांस और योगासन के बाद गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी. उत्साह के साथ यह कार्यक्रम मनाया गया. कार्यक्रम की सफलतार्थ किशोर शाह, प्रवीण जैन, मुरलीधर चोपड़े, डॉ. नंदकिशोर भुतड़ा, योगगुरू बंड, चोपड़े, सुरेश मेठी, सुरेश विजयकर, राधेश्याम अटल, चेतन चकुले, मनोज मूणोत, दीनबंधु मलिक, मनोहर भूत, रमेश सावरकर, वीरेन्द्र पांडे, डॉ. धानोरकर, डॉ. कविमंडन सहित सदैव आने वाले सदस्यों ने प्रयास किया.

यहां किशोरभाई शाह के साथ ही टीम के सभी सदस्यों में अपार उत्साह रहता है. जहां अपने अनुभवों को यहां बांटते हैं, वहीं दूसरी ओर बुजुर्ग रहकर भी दिल से जवान रहने का अनुभव यहां के सदस्यों से आता है. उनका कहना है कि व्यक्ति उम्र नहीं बल्कि अपनी मानसिकता से बूढ़ा होता है.यहां आने वाले हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में नामी रहने के बाद भी उनकी सादगी, एक-दूसरे से प्रेम तथा अपनापन किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहता है. ऐसे में शारदा नगर लॉफिंग क्लब अमरावती जिले की लिए किसी आदर्श से कम नहीं है. उनकी गतिविधियों को शुभकामनाएं.इसी तरह सभी खुश रहें, खुशियां बांटते रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.सभी के प्रेम तथा अपनेपन को सलाम करना चाहिए.

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

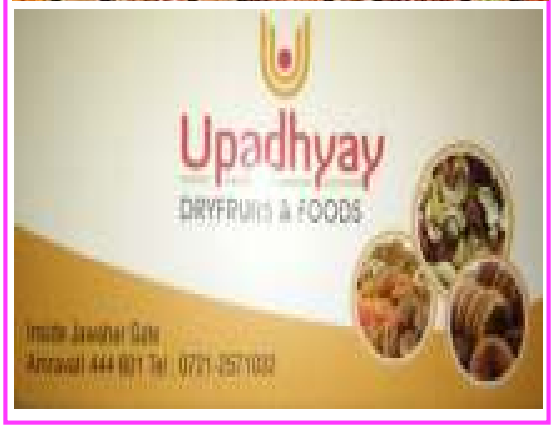

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

पहली बार अमरनाथ गुफा तक जाएगी गाड़ी

श्रीनगर- भारत में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावना के मद्देनजर सरकार द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है. यही कारण है कि अयोध्या सहित विभिन्न तीर्थस्थानों का तेजी से विकास किया गया है. उसका लाभ भी उस शहर को हो रहा है. अयोध्या में श्रीराम मंदिर के बाद जिस तरह से लाखों भक्त आ रहे हैं, यह उसका उदाहरण है.

पवित्र अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है. जो 52 दिन 19 अगस्त तक चलेगी. पिछली बार 1 जुलाई से 60 दिन तक चली थी. इस बार बर्फबारी देर से हुई और अब तक जारी है. गुफा क्षेत्र में दस फीट से ज्यादा बर्फ है. सरकार द्वारा पहली बार अमरनाथ गुफा तक मोटर जाने की व्यवस्था की गई है. अमरनाथ यात्रा की चाहत हर हिन्दू में होती है. ऐसे में सरकार द्वारा तमाम तरह के इंतजाम किए गए हैं. 6 लाख भक्तों को सामने रखते हुए सरकार द्वारा इंतजाम किया गया है.भक्तों के लिए 200 आईसीयू बेड के अस्पताल के साथ ही अन्य तमाम तरह के इंतजाम किए गए हैं. इससे यह कठिन यात्रा अब सरल हो गई है. 100 आक्सीजन बूथ भी बनाए गए हैं.

छाया कॉलोनी में रंग बरसे,भीगे चुनरवाला.., होली के रंग में सभी

भक्तों का मन मोह रहा है बडनेरा का श्रीश्यामबाबा मंदिर

ग्यारस, बारस पर उमड़े भक्त, बाबा के श्रृंगार ने सभी को लुभाया

अमरावती- बडनेरा-यवतमाल रोड पर झिरी में स्थित श्रीराम और श्रीश्याम का नवनिर्मित मंदिर जहां भक्तों की आशाओं को पूरा कर रहा है, वहीं श्री श्यामबाबा का आकर्षक और मोहक श्रृंगार भक्तों को आकर्षित कर रहा है. मंदिर में ग्यारस, बारस का कार्यक्रम अत्यंत भक्तिभाव से मनाया गया. मंदिर के संचालक और समाजसेवी तथा विदर्भ की सुख्यात श्रीराम दाल मिल के संचालक चंदूलाल अग्रवाल, पवन अग्रवाल के साथ ही मंदिर ट्रस्ट के भाविनभाई पटेल सहित अन्य भक्तों द्वारा जहां सदैव प्रभु सेवा में योगदान दिया जाता है. वहीं यहां होने वाले धार्मिक कार्यक्रम में भी भक्त उमड़ रहे हैं. विधिवत पूजा-अर्चना, भोग, प्रसाद के साथ ही आचार्यों द्वारा धार्मिक विधियों को पूरा किया जाता है.सिंघानिया परिवार जहां भक्तीभाव से ओतप्रोत है, वहीं दूसरी ओर चंदूलाल अग्रवाल जितने सफल व्यवसायी हैं, उतने ही प्रभु के भक्त और सज्जन इन्सान हैं. यही कारण है कि मंदिर को उन्होंने विकास की ऊंचाईयों पर पहुंचाया है. उनके मुताबिक प्रभु की कृपा और सभी के साथ के कारण यह संभव हो सका है. ग्यारस के दिन बाबा की

सजावट भक्तों को जहां लुभा रही थी, वहीं दूसरी ओर सुबह से लेकर रात तक हजारों की संख्या में भक्त मंदिर में दर्शन कर जीवन धन्य कर रहे हैं. एक ही स्थान पर प्रभु श्रीराम, बालाजी हनुमान के साथ ही कलयुग अवतारी श्रीश्यामबाबा के दर्शन का त्रिवेणी संगम भक्तों को मिलने से वे भी धन्य हो रहे हैं. मंदिर में दर्शन कर जीवन धन्य करने का आग्रह मंदिर ट्रस्ट द्वारा किया गया है.चंदूलाल अग्रवाल ही नहीं तो धर्मपत्नी, पुत्र, पुत्रबधू सहित पूरा अग्रवाल परिवार ही भक्त परिवार है. सेवा परमोधर्म को मानने के साथ सामाजिक कामों में भी यह परिवार सदैव अग्रणी रहता है.

गुरूवार 14 से 20 मार्च 2024

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मेलघाट की बेटी ने जीता आदिवासियों का दिल

राणा दम्पति वर्षों से मनाते हैं मेलघाट में होली, लोगों का प्यार जीतने वाले दम्पति

ज़ीवन में कभी खुशियां बांटने का मौका मिले तो जरूर बांटना. कुछ शादी के बाद से ही नवनीत राणा का मेलघाट के आदिवासियों को लेकर प्रेम कई वर्षों बाद भी कायम रहा है. राजनीति अपनी जगह लेकिन वर्षों से राणा दम्पति होली का त्यौहार आदिवासियों के साथ मनाते ा रहे हैं. यही कारण है कि अब तो दोनों ही पक्ष एक-दूसरे से जुड़ने के साथ ही वहां नवनीत राणा को अगर बेटी माना जाता है और बेटी जैसा प्रेम मिलता है तो निश्चित ही आज के दौर में यह गर्व करने वाली बात है. कहते हैं प्रेम

विदर्भ स्वाभिमान

देने से बढ़ता है. आदिवासियों के मन में छल-कपट नहीं रहता है, जो दिखता है, वही उसे सच मानते हैं. दिल के साफ रहने के कारण वे जल्दी किसी को दिल में स्थान नहीं देते हैं. लेकिन इस मामले में विधायक रवि राणा और सांसद नवनीत राणा अपवाद हैं. हर साल की तरह इस साल भी उन्होंने पांच दिनों तक होली और रंगपंचमी का पर्व उनके साथ मनाया. इस दौरान आदिवासी महिलाओं के साथ नृत्य करने से लेकर होली जलाने और इसमें शामिल होने की खुशी फोटो के माध्यम से देखी जा सकती है.

वैसे भी बिना किसी राजनीतिक विरासत के राणा दम्पति ने समाजसेवी के बलबूते अआपना स्थान बनाया है और कामयाबी हासिल की है. दोनों जनता को अगर अपना गॉड फादर मानते हैं तो निश्चित तौर पर जनता का प्यार भी उन्हें सदैव मिला है. नेकी के काम कभी बेकार नहीं जाते हैं, ऐसा स्पष्ट मत सांसद नवनीत राणा का रहता है. उनके मुताबिक गरीबों, आदिवासियों और किसानों के साथ ही दिव्यांगों के जीवन में अगर वे खुशियां ला सके तो उन्हें लगेगा, जीवन धन्य हो गया. यही कारण है कि साल में कोई भी पर्व हो, राणा दम्पति द्वारा मदद का सिलसिला शुरू रहता है. यह केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहता है. जीवन में सदैव सभी के साथ अच्छा करने की सोच रखने वाले व्यक्ति का कभी बुरा प्रभु नहीं होने देते हैं.मेलघाट में उनका यह दौरा दुवाओं के साथ ही दोनों के जीवन में काफी महत्वपूर्ण साबित होने की बात वे स्वयं कहते हैं. वे कहते हैं कि आदिवासियों को बहुत बड़ी अपेक्षा नहीं रहती है. केवल उनका दुख कोई समझे और उनकी भावनाओं की कद्र करे, बस इतना ही रहता है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

श्री बालाजी कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७

अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

उम्र के ५० बाद चिंतन करना शुरू करें

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. हम क्या थे, क्या हैं और प्रभु ने हमें कितना दिया है, इसके लिए प्रभु का आभार जताने के साथ ही बने तक प्रयास करें कि जिन लोगों के कारण हमारी प्रगति हुई है, उन लोगों को हमने क्या दिया, यह भाव जिस दिन सम्पन्नों में आ जाएगा, उस दिन से समर्पण और निष्ठा जैसे शब्दों को बट्टा कभी नहीं लगेगा. कोई भी काम एकतरफा गलत होता है. मालिक अपने अधीनस्थों से समर्पण,निष्ठा की चाहत रखता है, लेकिन थोड़ी सी परेशानी आने पर हाथ झटक देता है, ऐसे में क्या समर्पण की सोच कर्मचारी रखेंगे. सोचना चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

पूज्य बाबूजी स्व.जमुनाप्रसाद पारसनाथजी दुबे कहते थे कि आदर्श संस्कार और इन्सानियत की सबसे बेहतरीन पाठशाला संयुक्त परिवार होती है. इसमें बचपन से ही बच्चों में अगर अपनापन, आत्मीयता की सीख दी जाए तो जीवन में उस घर के बच्चे कभी गलत रास्ते पर नहीं जाते हैं. लेकिन जिन घरों में पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते हैं, दोनों अपने मन मुताबिक करते हैं, उनके झगड़े का सबसे बुरा असर बच्चों की मानसिक सोच पर पड़ता है. इससे बचना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com